an>

Title: Regarding salary of teachers from Sarv Shiksha head.

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत (जोधपुर) : अध्यक्ष महोदया, भारत की सरकार देश में शिक्षा की गुणवत्ता के स्तर को सुधारने और साथ ही साथ शिक्षा को सर्व सुलभ बनाने के निमित सर्व शिक्षा अभियान के मद से देश भर में शिक्षा के लिए पैसा खर्च करती है और जो सर्व शिक्षा मद के माध्यम से जो पैसा जाता है, उसके आधार पर सर्व शिक्षा अभियान में कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों को वेतन मिलता है, जिसमें 75 प्रतिशत कम्पोनेंट केंद्र सरकार और 25 प्रतिशत कम्पोनेंट राज्य सरकार देती है। देश की सरकार द्वारा 75 प्रतिशत पैसा मासिक स्तर पर रिलीज होकर राज्यों को दिया जाता है और मासिक स्तर पर रिलीज होने के कारण शिक्षकों को जो पैसा मिलता है, उसमें कई बार करीब एक महीने का गैप हो जाता है। आज 19 तारीख है लेकिन अभी तक पिछले महीने का वेतन शिक्षकों को नहीं मिला है। इसके दो तरह के दुष्परिणाम होते हैं। पहला यह है कि रेग्युलर सैलरी न मिलने के कारण शिक्षकों को तकलीफ का सामना करना पड़ता है और दूसरा दुष्परिणाम यह है कि हर माह की दस तारीख को उनके स्टेट इंश्योरेंस, जीपीएफ, एलआईसी और ग्रुप इंश्योरेंस का पैसा जमा हो जाना चाहिए, वह पैसा जमा नहीं हो पाता है। इस कारण जो बेनिफिट्स उन्हें मिलने चाहिए, वे नहीं मिल पाते हैं।

मैं आपके माध्यम से देश की सरकार से इस बात का आग्रह करना चाहता हूं कि वेतन में सैंटर द्वारा जो कम्पोनेंट दिया जाता है, वह मासिक रूप से रिलीज करने की बजाय वर्ष में एक बार या दो बार रिलीज किया जाएगा तो इन अल्प वेतनभोगी शिक्षकों को बहुत सहूलियत मिलेगी।

माननीय अध्यक्ष :

श्री सी.पी. जोशी,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री रोड़मल नागर,

श्री आलोक संजर,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।